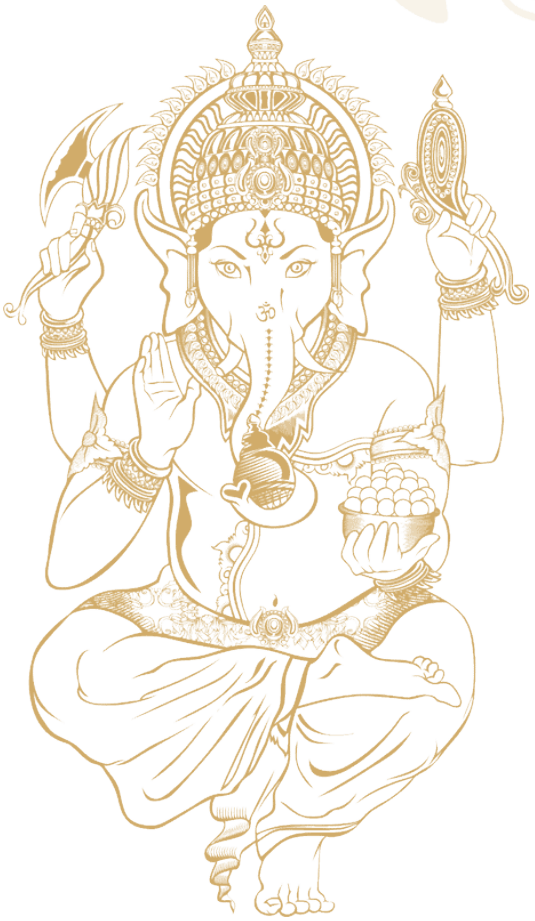

Mr.

02 Nov 1966

04:21 PM

Sitamarhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121634217

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**02/11/1966**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**16:21:00 घंटे**
इष्ट	25:57:52 घटी
स्थान	**Sitamarhi**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	26:36:00 उत्तर
रेखांश	85:30:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:12:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:33:00 घंटे
वेलान्तर	00:16:26 घंटे
साम्पातिक काल	19:18:04 घंटे
सूर्योदय	05:57:51 घंटे
सूर्यास्त	17:05:11 घंटे
दिनमान	11:07:20 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	16:10:37 तुला
लग्न के अंश	03:15:46 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 3**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	शिव
करण	बालव
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	पूर्व
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	का-कमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	03:15:46	474:34:01	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	सूर्य	---
सूर्य			तुला	16:10:37	01:00:03	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	नीच राशि
चंद्र			मिथु	02:53:04	12:59:59	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			सिंह	18:52:52	00:34:57	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मित्र राशि
बुध			वृश्चि	08:40:10	00:31:09	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	सम राशि
गुरु			कर्क	10:30:25	00:03:38	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	सूर्य	उच्च राशि
शुक्र		अ	तुला	14:31:08	01:15:16	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	मूलत्रिकोण
शनि	व		मीन	00:01:59	00:02:28	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	चंद्र	सम राशि
राहु			मेष	22:46:46	00:00:41	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
केतु			तुला	22:46:46	00:00:41	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	सम राशि
हर्ष			सिंह	29:32:45	00:02:53	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	---
नेप			तुला	28:03:29	00:02:13	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	---
प्लूटो			सिंह	26:33:38	00:01:33	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	---
दशम भाव			धनु	24:37:13	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:23:24

लग्न-चलित

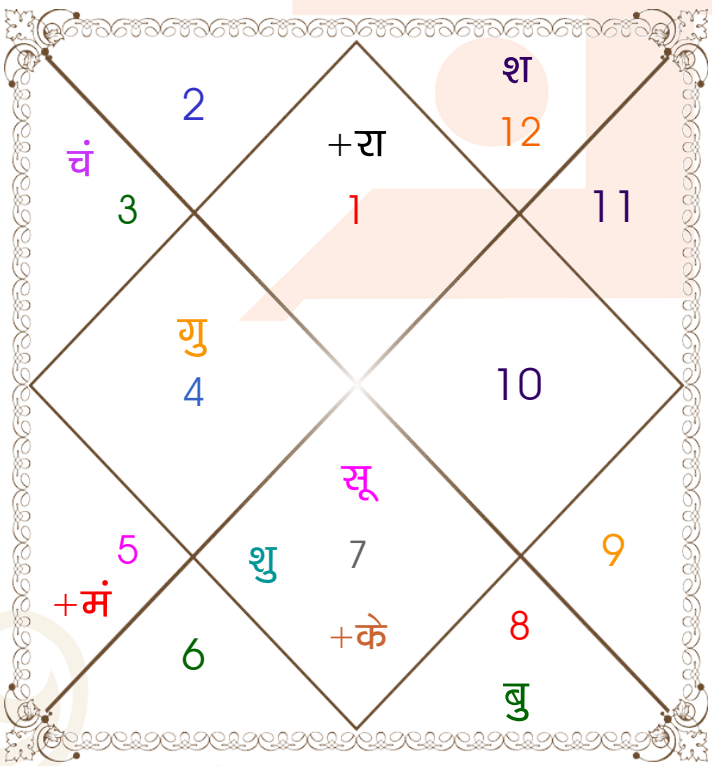

चन्द्र कुंडली

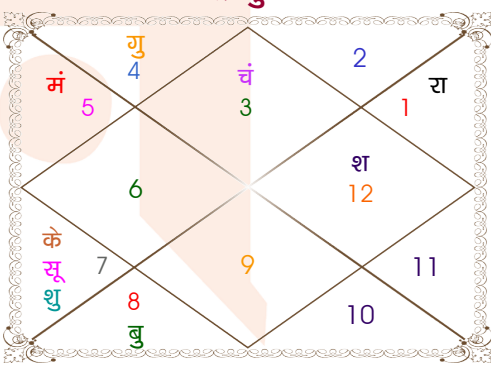

नवमांश कुंडली

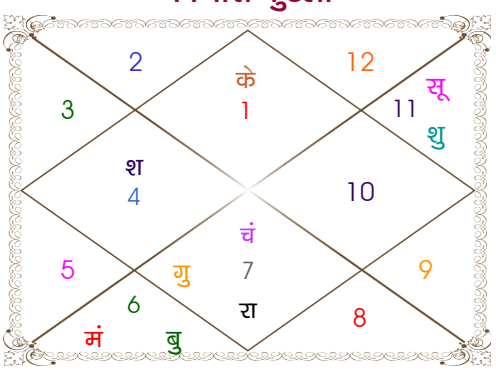

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 1 वर्ष 11 मास 25 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
02/11/1966		27/10/1968		28/10/1986		28/10/2002		28/10/2021	
27/10/1968		28/10/1986		28/10/2002		28/10/2021		28/10/2038	
	00/00/0000	राहु	11/07/1971	गुरु	15/12/1988	शनि	31/10/2005	बुध	25/03/2024
	00/00/0000	गुरु	03/12/1973	शनि	28/06/1991	बुध	10/07/2008	केतु	23/03/2025
	00/00/0000	शनि	09/10/1976	बुध	03/10/1993	केतु	19/08/2009	शुक्र	21/01/2028
	00/00/0000	बुध	29/04/1979	केतु	09/09/1994	शुक्र	18/10/2012	सूर्य	27/11/2028
	00/00/0000	केतु	16/05/1980	शुक्र	10/05/1997	सूर्य	30/09/2013	चंद्र	28/04/2030
	02/11/1966	शुक्र	17/05/1983	सूर्य	26/02/1998	चंद्र	02/05/2015	मंगल	26/04/2031
शुक्र	22/11/1967	सूर्य	10/04/1984	चंद्र	28/06/1999	मंगल	09/06/2016	राहु	12/11/2033
सूर्य	28/03/1968	चंद्र	09/10/1985	मंगल	03/06/2000	राहु	16/04/2019	गुरु	18/02/2036
चंद्र	27/10/1968	मंगल	28/10/1986	राहु	28/10/2002	गुरु	28/10/2021	शनि	28/10/2038

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
28/10/2038		28/10/2045		28/10/2065		28/10/2071		28/10/2081	
28/10/2045		28/10/2065		28/10/2071		28/10/2081		00/00/0000	
केतु	26/03/2039	शुक्र	26/02/2049	सूर्य	14/02/2066	चंद्र	28/08/2072	मंगल	26/03/2082
शुक्र	25/05/2040	सूर्य	26/02/2050	चंद्र	16/08/2066	मंगल	29/03/2073	राहु	13/04/2083
सूर्य	30/09/2040	चंद्र	28/10/2051	मंगल	22/12/2066	राहु	28/09/2074	गुरु	19/03/2084
चंद्र	01/05/2041	मंगल	27/12/2052	राहु	15/11/2067	गुरु	28/01/2076	शनि	28/04/2085
मंगल	27/09/2041	राहु	28/12/2055	गुरु	03/09/2068	शनि	28/08/2077	बुध	25/04/2086
राहु	16/10/2042	गुरु	28/08/2058	शनि	16/08/2069	बुध	27/01/2079	केतु	21/09/2086
गुरु	22/09/2043	शनि	28/10/2061	बुध	22/06/2070	केतु	28/08/2079	शुक्र	02/11/2086
शनि	30/10/2044	बुध	28/08/2064	केतु	28/10/2070	शुक्र	28/04/2081		00/00/0000
बुध	28/10/2045	केतु	28/10/2065	शुक्र	28/10/2071	सूर्य	28/10/2081		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 1 वर्ष 11 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्विनी नक्षत्र के प्रथम चरण में मेष लग्न, मेष नवमांश एवं मेष राशि के द्रेष्काण में हुआ था। अस्तु यह जन्म वर्गोत्तम सूचक एवं अति उत्तम जन्म फल का सृजन कर रहा है।

परिणाम स्वरूप आप व्यक्तिगत रूप से स्वनिर्मित, साहसी, उत्सुक, किसी भी योजना को कार्यान्वित करने वाले, किसी भी चुनौती को स्वीकार करने वाले, किसी भी कार्य को शक्ति प्रदान करने वाले अथवा बिना किसी भी सहयोग के विभिन्न प्रकार के कार्यों को कार्यान्वित करने वाले हैं। आप बुनियादी रूप से एक विशेष व्यक्तित्व प्राप्त, अपने उद्देश्य में संलग्न रहने वाले, अपनी योजनाओं को कार्य रूप देने वाले, महत्वकांक्षी, परिश्रमी और अपने बनाए रास्ते पर चलने वाले तथा सुगमता से अपनी राह पर अग्रसर रहने वाले प्राणी है। आप मुसीबत के समय या संघर्षपूर्ण समय में भी पीछे मुड़कर नहीं देखने वाले शीघ्र ही कम समय में सुगमता पूर्वक उचित कार्य को पूर्ण कर लेने वाले हैं। आप अपने भरोसे ही पूर्ण विश्वसनीयता से सभी कार्यों को बिना प्रभावित हुए संपादन करने वाले हैं।

यदि कोई आपके साथ अत्यंत ही उत्तेजना पूर्वक व्यवहार करता है, तब आप भी वैसा ही व्यवहार उसके साथ अवश्य करना चाहते हैं। अपने सिद्धांतों का हनन होते देखकर आप में प्रतिशोधात्मक प्रवृत्ति का जागरण हो जाता है। आप एक सिद्धांतवादी, सदाचारी, विश्वासी, निष्कपट व्यवहार करने वाले व्यक्ति है। आप किसी को भी नीति विरुद्ध आचरण करते देख, उत्तेजित हो जाते हैं। अन्यथा आप एक धार्मिक विश्वासी एवं निष्कपट व्यवहार करने वाले हैं।

आप एक सृजनात्मक प्रवृत्ति एवं तीक्ष्ण बुद्धि के प्रगति शील सृजनकर्ता हैं। आप अपनी संपन्नता एवं उद्देश्य के प्रति सुनिश्चित एवं अधिकृत होकर पूर्ण विश्वसनीयता से अपना लक्ष्य प्राप्त करना चाहते है। आप जिस कार्य या लक्ष्य को सुनिश्चित कर लेते हैं, वह पथ कितना भी दुर्गम क्यों न हो कोई भी आपको अपने उद्देश्य से रोक नही सकता। आप स्वयं अपने कार्य और उद्देश्य को सुनिश्चित कर आप जिसे उपयुक्त समझते हैं। उसे पूरा करना ही अपना लक्ष्य समझते हैं। आप एक लगनशील और कर्मठ प्राणी हैं। परंतु आप अपने स्वाभाविक गुण एवं अपनी सत्ता के माध्यम से अपने मूल अस्तित्व एवं प्रसारात्मक तरीके से धन संचय कर लेते हैं। आप आवारागर्दी पर अपने धन का अपव्यय करते हैं, जो आपके लिए सर्वथा त्याज्य है। आप हर क्षण अविवेकिता पूर्ण तरीके से अपने द्वारा किए गए अनर्थकारी कार्यों को सत्य प्रमाणित करके संतुष्ट रहने का प्रयास करते हैं। आपके द्वारा अर्थ प्राप्ति के लिए उत्तम कार्य शैली का प्रदर्शन धैर्य पूर्वक एवं योजनाबद्ध तरीके से प्रस्तुत एवं कार्यान्वित किया जाता है। आप अपने बाएं-दाएं निकटतम समर्थक को अपने अधिकार क्षेत्र में संलग्न रखना पसंद करते हैं। आप हर क्षण अपनी सुरक्षा हेतु किसी मित्र की सहायता के लिए तत्पर रहा करते हैं। आप किसी भी क्षण किसी अन्य के हाथों पराजित होना पसंद नही करते तथा आपको कोई भी विरोधी पराजित न कर सके। इस भावना से आप संशोधन करने को तत्पर रहते हैं। तथा अपने मित्रों की सहायता करने को प्रस्तुत रहते हैं।

आप में यह विशेष गुण है कि आप संयुक्त परिवार के प्रति पूर्ण रूपेण समर्पित हैं। वास्तव में आप अपने घर को एक पक्षी के घोसले जैसा प्यार करते हैं। अर्थात् आप घर परिवार पर से पूर्ण रूपेण निकट एवं संबंधित रहकर जीना पसंद करते हैं। आप अपने दाम्पत्य जीवन को किसी भी प्रकार से प्रभावित करना या हतोत्साहित करना नहीं चाहते। आपको अपने परिवार के प्रति अत्यधिक झुकाव रहता है। आपके भाई और पारिवारिक अन्य सदस्य आपके मार्गदर्शन पर बिना किसी भी मतांतर के अनुकूल आचरण करते हैं।

आप अत्यंत ही प्रेम करने वाले कामुक प्राणी हैं और विपरीत योनि के प्रति या इस प्रकार के व्यक्ति से आप संबद्ध रहते हैं। स्वाभाविक रूप से जिनका जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला एवं धनु है। उनके साथ आपका वैचारिक मेल रहना उपयुक्त है। आपकी जन्मपत्रिका से यह संकेत मिलता है कि आप शारीरिक दृष्टिकोण से चुस्त, दुरुस्त एवं पुष्ट हैं और रहेंगे।

आपकी प्रतिभा की यह विशेषता है कि आपकी उन्नत ललाट और चमकीली आंखें किसी के भी मन की बातों को जान लेने में पूर्ण सक्षम और लक्ष्य भेदन में समर्थ हैं। आप सामान्यतया उत्तम स्वास्थ्य, शक्ति संपन्न एवं किसी प्रकार के रोग से मुक्त रहकर जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। परंतु आप निश्चित रूप से किसी छोटी दुर्घटना के शिकार होंगे। अस्तु सिर की रक्षा करें तथा सतर्कता पूर्वक वाहन चलाएं। ऐसी आशंका है कि आप यदि सतर्क नही रहें तो सिरोवेदना, अग्नि दाह, अनिद्र आदि रोगों से पीड़ित रहेंगे। अस्तु आपके लिए यह विचारणीय है कि आप सदैव ही अधिक मात्रा में साक-सब्जियों का व्यवहार करें। आप को सदैव यह ध्यान रखना चाहिए कि कार्य प्रारंभ करने के पूर्व पूर्ण रूपेण निद्रा, विश्राम आदि कर चुके हैं तथा तरोताजगी से कार्यारम्भ करें। आपको यह संकेत दिया जाता है कि आप एक समय में कई कार्यों को नही कर एक कार्य को ही मनोयोग पूर्वक करें। क्योंकि आप एक ही समय कई कार्यों का संपादन करने की क्षमता रखते हैं और एक साथ विभिन्न कार्यों को संपादन कर धन प्राप्त करते हैं।

आपके लिए विधि, कार्य, तेल का कार्य, भूमि क्रय-विक्रय, पशुपालन, लौह एवं स्टील कार्य, यांत्रिकी कार्य, फैक्ट्री कार्य, चमड़े का कार्य अथवा चर्मोद्योग कार्य उपयुक्त और लाभ जनक है। यदि आपको उपयुक्त योग्यता है तो आप अध्यापन कार्य भी कर सकते हैं।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 प्रभावक अंक 4 एवं 8 हैं। 2, 3 और 5 अंक सामान्य परंतु 6 एवं 7 अंक आपके लिए उपयुक्त अंक हैं।

जहां तक संभव हो सके आप लाल, पीला, ताम्रवर्णी एवं स्वर्णरंजित रंग के वस्त्रों एवं वस्तुओं का उपयोग अपने जीवन की अनुकूलता हेतु करें। काले नीले रंग की धातु या वस्त्र कदापि व्यवहार में न लाएं।